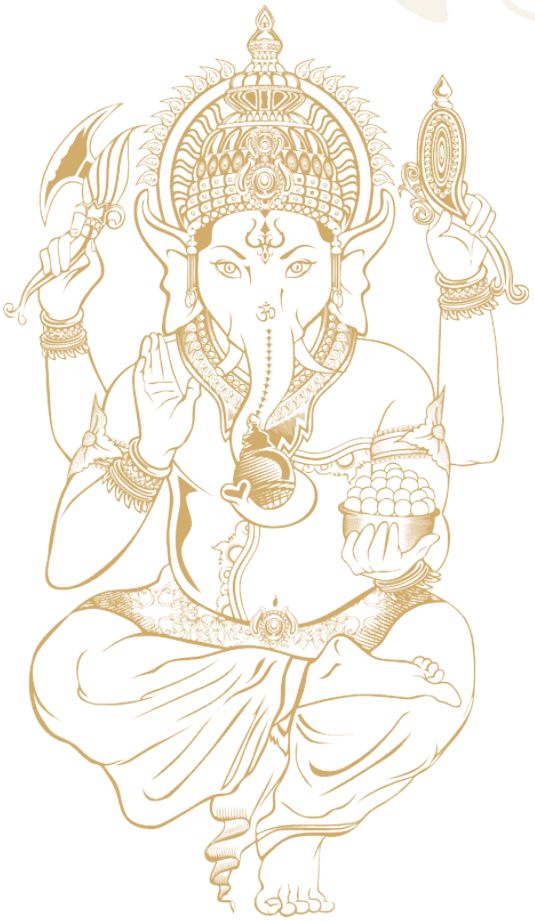

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
17/10/1997	जन्म तिथि	06/06/2005
शुक्रवार	दिन	सोमवार
घंटे 07:30:00	जन्म समय	11:00:00 घंटे
घटी 02:46:53	जन्म समय(घटी)	14:02:26 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:23:14	सूर्योदय	05:23:01
17:49:30	सूर्यास्त	19:16:45
23:49:29	चित्रपक्षीय अयनांश	23:55:52

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
केतु 0वर्ष 3मा 3दि		13:32:50	तुला	लग्न	सिंह	04:57:58	चन्द्र 7वर्ष 1मा 11दि	
चन्द्र		29:54:45	कन्या	सूर्य	वृष	21:41:10	राहु	
20/01/2024		12:50:18	मेष	चंद्र	वृष	13:50:54	18/07/2019	
20/01/2034		19:05:10	वृश्चि	मंगल	मीन	01:57:21	17/07/2037	
चन्द्र	20/11/2024	02:09:21	तुला	बुध	वृष	25:13:00	राहु	30/03/2022
मंगल	21/06/2025	18:23:54	मक	गुरु	कन्या	15:00:03	गुरु	23/08/2024
राहु	21/12/2026	15:49:50	वृश्चि	शुक्र	मिथु	09:14:17	शनि	30/06/2027
गुरु	21/04/2028	22:32:25	मीन व	शनि	कर्क	01:10:03	बुध	16/01/2030
शनि	20/11/2029	25:33:00	सिंह व	राहु व	मीन	27:36:30	केतु	04/02/2031
बुध	21/04/2031	25:33:00	कुंभ व	केतु व	कन्या	27:36:30	शुक्र	03/02/2034
केतु	20/11/2031	10:54:53	मक	हर्ष	कुंभ	16:48:09	सूर्य	29/12/2034
शुक्र	21/07/2033	03:22:23	मक	नेप व	मक	23:35:38	चन्द्र	29/06/2036
सूर्य	20/01/2034	10:06:41	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	29:27:19	मंगल	17/07/2037

लग्न-चलित

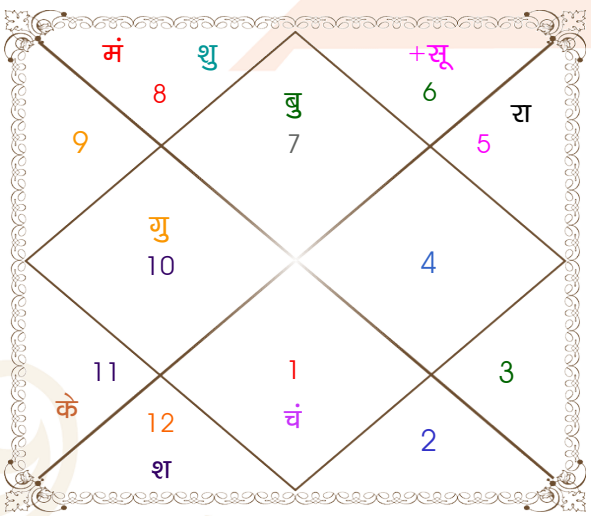

लग्न-चलित

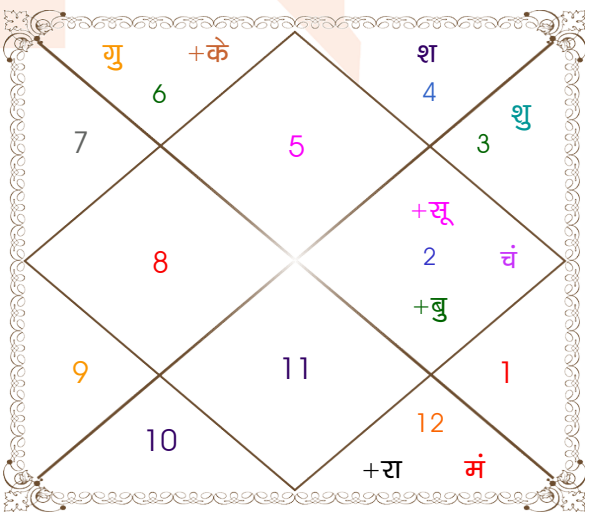

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	अश्व	सर्प	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	शुक्र	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मेष	वृष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	23.50		

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

Mr. का वर्ग मृग है तथा Ms. का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में सप्तम भाव में मकर राशि में तथा अष्टम भाव में मीन राशि में मंगल हो तो मंगल का दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Ms. कि कुण्डली में अष्टम् भाव में मीन राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु Ms. कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Mr. कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।